

CBSE Class 10 सामाजिक विज्ञान

पुनरावृत्ति Notes

पाठ - 7

लोकतंत्र के परिणाम

1. लोकतंत्र शासन सबसे बेहतर है क्योंकि:-

- लोकतन्त्र नागरिकों में समानता के भाव को बढ़ावा देता है।
- लोकतन्त्र व्यक्ति की गरिमा को बढ़ावा देता है ।
- लोकतन्त्र बेहतर फैसले लेने की ताकत देता है ।
- लोकतन्त्र टकरावों को टालने का तरीका प्रदान करता है ।
- लोकतंत्र में गलतियों को सुधारने की गुंजाईश होती है।
- लोकतन्त्र ही बुनियादी संविधान होता है, जिसमें सरकार के निर्माण और चुनाव की क्रिया का वर्णन होता है।
- लोकतंत्र में नागरिकों को अधिकारों की सुरक्षा की गारंटी होती है।
- लोकतंत्र में सभी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समस्याओं का समाधान किया जाता है।

2. लोकतान्त्रिक शासन उत्तरदायी, जिम्मेदार और वैध शासन होता है :-

उत्तरदायी सरकार:- यह लोकतन्त्र ही है जो एक उत्तरदायी सरकार को संभव बनाता है। ऐसी सरकार कायदे-कानूनों को मानती है और लोगों के लिये जवाबदेह होती है। क्योंकि यह लोगों की सरकार है, लोगों के द्वारा बनाई गई है तथा लोगों के लिए है। लोगों द्वारा चुने गए प्रतिनिधि लोगों के प्रति उत्तरदायी हैं, अगर लोग उनके कामों से खुश नहीं हैं, तो लोग अगले आम चुनाव में अपने नेता बदल सकते हैं। हर काम का उत्तर देना जनप्रतिनिधियों के लिए जरूरी है।

जिम्मेदार सरकार:- लोकतान्त्रिक सरकार में लोगों को यह जानने का अधिकार है कि जो नियम सरकार द्वारा लिये गये हैं, क्या वे निर्णय पूरे कायदे कानूनों के अनुसार लिए गए हैं। ऐसी पारदर्शिता गैर लोकतांत्रिक देशों में देखने को नहीं मिलती है।

वैध सरकार:- यह वैध शासन व्यवस्था है। यह सुस्त हो सकती है, कम कार्यकुशल हो सकती है, उसमें भ्रष्टाचार हो सकता है, लेकिन यह लोगों की जरूरतों को अनदेखा नहीं कर सकती। इसी कारण पूरी दुनिया में लोकतान्त्रिक सरकार के विचार के प्रति जबरदस्त समर्थन का भाव है। लोग अपने द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों का शासन चाहते हैं।

प्रश्न:-

1. लोकतंत्र की परिभाषा दो।
 2. लोकतंत्र किस प्रकार सरकार के अन्य रूपों से बेहतर है।
 3. लोकतंत्र किस तरह उत्तरदायी, जिम्मेदार और वैध सरकार का गठन करता है?
 4. लोकतांत्रिक व्यवस्था राजनीतिक समानता पर आधारित होती है। इस कथन की पृष्टि करो।
-

उत्तर:

1. साधारण शब्दों में लोकतंत्र से बात कर रहे हैं जनता द्वारा जनता के लिए जनता का शासन।

2. लोकतंत्र सरकार के अन्य रूपों से बेहतर है क्योंकि:--

१. लोगों द्वारा चुने गए सदस्य ही देश का शासन की बागडोर संभालते हैं, और सारे प्रमुख फैसले वे स्वयं करते हैं।

२. लोकतंत्र में चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से होते हैं और चुनाव द्वारा लोग जब चाहे मौजूदा शासकों को बदल सकते हैं।

३. लोकतंत्र की तीसरी विशेषता यह है कि इसमें सभी लोगों को सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के नियमों के अनुसार सामान्य रूप से वोट देने का अधिकार उपलब्ध होता है।

□. चुनाव द्वारा चुनी गई सरकार संविधान द्वारा निश्चित बुनियादी कानूनों और नागरिक अधिकारों की सीमा में रहते हुए काम करती है।

4. लोकतंत्र लोगों का शासन होता है, लोगों द्वारा निर्मित होता है, और लोगों की भलाई के लिए काम करता है। इस कथन में लोकतंत्र की बुनियादी विशेषता है छिपी हुई है।

यह लोकतंत्र ही है जो एक उत्तरदायी सरकार की स्थापना को संभव बनाता है ऐसी सरकार कायदे कानूनों को मानती है और लोगों के प्रति जवाबदेह होती है जिस दिन ऐसी सरकार का विधान मंडल में बहुमत समाप्त हो जाता है उसी दिन उसे त्याग पत्र देना पड़ता है।

यह लोकतंत्र है जिसमें सरकार जिम्मेदारी से काम करती है और लोगों के हितों का ध्यान रखती है। लोकतंत्र ही है जो संभव बनाता है कि लोग सूचना के अधिकार के अंतर्गत सरकार तथा उसके कामकाज के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें लोकतंत्र में ही विरोधी राजनीतिक दल स्वतंत्रता से सरकार की नीतियों की आलोचना करके उसे अधिक पारदर्शी और जिम्मेदार बना सकते हैं।

लोकतंत्र ही सरकार की वैधता को संभव बनाता है। जब कोई सरकार अल्पमत में आ जाती है तो एकदम उसे त्याग पत्र देना पड़ता है क्योंकि तब उसकी वैधता समाप्त हो जाती है। अगली सरकार तभी अस्तित्व में आती है जब वह अगले चुनावों में अपना बहुमत प्राप्त कर लेती है। बिना लोगों का विश्वास प्राप्त किये कोई भी नई सरकार बन ही नहीं सकती। यही चुनाव प्रक्रिया सरकार की वैधता पर मुहर लगती है। जो केवल लोकतंत्र में ही संभव है।

4. लोकतांत्रिक देशों में सभी राजनीतिक दलों को चुनावों में, चुनावों से पहले, चुनावों के बाद स्वतंत्रता से कार्य करने की आज्ञा होती है। लोग शांति देशों में सरकार का विरोध करना है। किसी को डराया धमकाया नहीं जाता और न ही उन्हें जेल जेल जाने का डरावा ही दिया जाता है। लोकतांत्रिक देश में कोई भी नागरिक किसी भी पद के लिए खड़ा हो सकता है और ऊँचे से ऊँचा पद प्राप्त कर सकता है। साधारण परिवारों के लोग जैसे श्री लाल बहादुर शास्त्री, डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम जैसे लोग प्रधानमंत्री राष्ट्रपति पर के पद पर आसीन हो सकते हैं।
